अनुबंध

अनुबंध - 2.1

राज्य स्तरीय संस्थानों की बैठकें (पैरा 2.5.4.3)

राज्य का नाम	संस्थान	गठन की तिथि	पिछले पांच वर्षों के दौरान हुई बैठकों की सं.
अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूह	संघ शासित क्षेत्र आपदा प्रबंधन प्राधिकरण	09.01.2008	एक
	संघ शासित क्षेत्र आपदा प्रबंधन कार्यकारी समिति	09.01.2008	छः
	सं.शा.क्षे. सलाहकार समिति	गठित नहीं की गई	
आन्ध्र प्रदेश	रा.आ.प्र.प्रा.	14-11-2007	दो
	रा.का.स.	14-11-2007	एक
	राज्य सलाहकार समिति (रा.स.स.)	गठित नहीं की गई	
गुजरात	रा.आ.प्र.प्रा.	1.09.2003	दो
	रा.का.स., रा.स.स.	गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2003 में इनके गठन हेतु कोई प्रावधान नहीं	
महाराष्ट्र	रा.आ.प्र.प्रा.	24.05.2006	आठ
	रा.का.स.	24.05.2006	11
	रा.स.स.	सचिवालय में आग लगने के कारण कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ	
ओड़िशा	रा.आ.प्र.प्रा.	20.10.2010	शून्य
	रा.का.स.	06.12.2010	तीन
	रा.स.स.	गठित नहीं की गई	
राजस्थान	रा.आ.प्र.प्रा.	6.09.2007	10
	रा.का.स.	15.10.2007	13
	रा.स.स.	गठित नहीं की गई	
तमिलनाडु	रा.आ.प्र.प्रा.	सितम्बर 2008	कभी भी बैठक नहीं हुई
	रा.का.स.	जनवरी 2009	एक
	रा.स.स.	गठित नहीं की गई	
उत्तराखण्ड	रा.आ.प्र.प्रा.	10.10.2007	कभी भी बैठक नहीं हुई
	रा.का.स.	18.01.2008	शून्य
	रा.स.स.	11.02.2008	एक
पश्चिम बंगाल	रा.आ.प्र.प्रा.	1.08.2007	एक
	रा.का.स.	1.08.2007	97
	रा.स.स.	6.04.2010	शून्य

अनुबंध - 4.1

रा.आ.प्र.प्रा. में रिक्तियाँ (पैरा 4.6.1)

निम्न को स्थिति	संस्वीकृति संख्या	नियुक्त कर्मचारी	रिक्त पद	रिक्त पदों की प्रतिशतता
31.3.2008	124	49	75	60
31.3.2009	124	68	56	45
31.3.2010	124	76	48	39
31.3.2011	123	71	52	42
31.3.2012	123	83	40	33

अनुबंध - 6.1

विभिन्न पैमानों पर एकत्रित, संग्रहीत और उपभोक्ताओं हेतु सुलभ डाटाबेस (पैरा 6.1.1.1)

क्र.सं.	एकत्र किए जाने वाले डाटाबेस की क्षेणी/पैमाना	वास्तव में एकत्रित डाटाबेस	संग्रहित डाटाबेस	प्राधिकृत उपभोक्ताओं के उपयोग हेतु सुलभ करायी डाटाबेस
1	1:50,000 के पौमने पर राष्ट्रीय जी.आई.एस. डाटाबेस (320 मीलियन हैक्टर के लिए योजना की गई थी)	224 मीलियन (70 प्रतिशत)	224 मीलियन (70 प्रतिशत)	सेवा प्रदान करने हेतु रा.आ.प्र.डा. कम्प्यूटर अवसंरचना का संचालनात्मक प्रसार के लिए अभी संस्थापित किया जाना है, इस प्रकार यह उपयोगकर्ताओं को सुलभ नहीं है।
2	1:10,000 पौमाने पर जी.आइ.एस. डाटाबेस (169 बहु संकट प्रवण जिलों के लिए)	कोई पूर्ण जिला नहीं। (तथापि, समस्त भारतीय तटों के लिए डाटा एकत्रित किया गया है।)	नहीं	सेवा प्रदान करने हेतु रा.आ.प्र.डा. कम्प्यूटर अवसंरचना का संचालनात्मक प्रसार के लिए अभी संस्थापित किया जाना है, इस प्रकार यह उपयोगकर्ताओं को सुलभ नहीं है।
3	1 : 2,000 पौमाने पर जी.आइ.एस. डाटाबेस (06 बड़े शहरों-हैदाराबाद, बैंगलोर, कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद तथ मुंबई के लिए)	केवल हैदराबाद, बैंगलोर तथा कोलकाता के लिए उपलब्ध	नहीं	सेवा प्रदान करने हेतु रा.आ.प्र.डा. कम्प्यूटर अवसंरचना का संचालनात्मक प्रसार के लिए अभी संस्थापित किया जाना है, इस प्रकार यह उपयोगकर्ताओं को सुलभ नहीं है।

अनुबंध - 6.2

अ.नि.ने. नोडों के परिचालन न होने के कारण (पैरा 6.1.4)

अ.नि.ने. नोड नोडस स्थल	जिसके कारण वे परिचालित नहीं हैं
भा.मौ.वि.वि. दिल्ली (अर्द्ध परिचालित)	वीडियो कांफ्रेसिंग प्रणाली खराब स्थिति में थी। मरम्मत हेतु मांग पत्रों को संसाधित किया जा रहा था। वर्तमान में, केवल ऑडियो कांफ्रेसिंग ही संभव थी।
प्रधान मंत्री कार्यालय	सुरक्षा कारणों तथा परिसर में प्रवेश करने की अनुमति के कारणों से जी सेट-12 के पुनः अभिविन्यास हेतु समयादेश अब तक प्राप्त नहीं की जा सकी। यह प्रतीक्षित था।
प्रधान मंत्री आवास	
शिमला, हिमाचल प्रदेश	एंटिना छत से गिर गया और गैर-क्रियात्मक हो गया। मरम्मत कार्य प्रारम्भ किए गए थे।
मुंबई, महाराष्ट्र	मंत्रालय में, हाल में लगी आग के दौरान उपकरण जल गये थे। उपलब्ध उपकरणों पर निर्धारण किया जा रहा था।

अनुबंध - 8.1

प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों को वित्तीय सहायता की योजना (पैरा 8.1.3.2)

वर्ष	नियत, प्र.प्र.सं. की कुल सं.	प्र.प्र.सं. की सं. जिन्होने लक्ष्य प्राप्त किए	प्र.प्र.सं. की स. जिन्होने लक्ष्य प्राप्त नहीं किया है	गिरावट की प्रतिशतता	चिंता का क्षेत्र
2007-08	29	7	22	75.86	10 प्र.प्र.सं. ने कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया
2008-09	29	9	20	68.97	3 प्र.प्र.सं. ने कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया
2009-10	29	12	17	58.62	5 प्र.प्र.सं. ने कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया
2010-11	29	16	13	44.83	2 प्र.प्र.सं. ने कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया
2011-12	29	14	15	51.72	2 प्र.प्र.सं. ने कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया

अनुबंध - 8.2

रा.आ.प्र.सं. में रिक्तियाँ (पैरा 8.1.6.2)

निम्न को स्थिति	नियुक्त कर्मचारी	नियुक्त कर्मचारी	रिक्त पद	चिंता का क्षेत्र
31.3.2008	46	42	4	संकाय/शोधार्थी के 2 पद रिक्त रहे
31.3.2009	46	42	4	संकाय/शोधार्थी के 3 पद रिक्त रहे
31.3.2010	46	43	3	संकाय/शोधार्थी के 2 पद रिक्त रहे
31.3.2011	57	43	14	संकाय/शोधार्थी के 4 पद रिक्त रहे
31.3.2012	57	45	12	संकाय/शोधार्थी के 4 पद रिक्त रहे

अनुबंध - 9.1

चरण-I हेतु निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में कमी (पैरा 9.3.5.2)

प्रस्तावित उपकरण	उपकरण की इष्टतम आवश्यकताएं	चरण-I में प्रापण किए जाने वाले उपकरण	संस्थापित
स्वचालित वर्षा- मापक	3600	1350	708
स्वचालित संदेश स्विचिंग प्रणालियां	1150	550	550
डॉपलर मौसमी रडार	68	13	9
वायु प्रोफाईलर	15	4*	शून्य
वैमानिकीय सहायता सैट	50	26*	शून्य
आर.एस./आर.डब्ल्यू प्रणालियां	44	25*	शून्य
पॉयलट गुब्बारे	70	70	70
बिजली ससूंचन नोड	10	10*	शून्य

*तिथि को प्रापण नहीं किया

अनुबंध - 10.1

आन्ध्र प्रदेश में हाल की आपदाओं या आपातों के ब्यौरे

क्र.सं.	आपदा की अवधि	आपदा	प्रभावित जिलों की सं.	प्रभावित जनसंख्या (लाख में)	मानव मृत्यु सं. में	क्षतिग्रस्त घरों की सं.	क्षतिग्रस्त कृषि क्षेत्र (हेक्टेयर)
1	अक्तूबर 2001	भारी वर्षा/अचानक आयी बाढ़	5	---	119	111340	---
2	दिसम्बर 2003	चक्रवाती तूफान/अचानक आयी बाढ़	6	42.68	44	17147	265741
3	सितम्बर 2005	भारी वर्षा/अचानक आई बाढ़	10	350	107	118618	551966
4	अगस्त 2006	चक्रवात तूफान/बाढ़	10	13.84	165	276567	219897
5	सितम्बर 2006	भारी वर्षा	8	0.23	52	29837	219950
6	अक्तूबर एवं नवम्बर 2006	ओग्नी चक्रवात	5	13.85	41	95218	384550
7	जून 2007	भारी वर्षा	16	8.35	50	195456	51587
8	सितम्बर 2007	भारी वर्षा/बाढ़	15	2.4	77	33241	62000
9	अक्तूबर 2007	भारी वर्षा/बाढ़	6	0.94	9	9246	16405
10	अक्तूबर एवं नवम्बर 2007	भारी वर्षा/बाढ़	4	27.32	36	611907	23000
11	फरवरी 2008	भारी वर्षा/बाढ़	11	0.13	4	122	292854
12.	मार्च 2008	बेमौसमी भारी वर्षा/बाढ़	22	0.014	36	3556	227507
13	अगस्त 2008	भारी वर्षा/बाढ़	15	44.28	130	44364	196038
14	नवम्बर 2008	खैमुक चक्रवात	9	1.0	0	1190	59287
15	नवम्बर 2008	निशा चक्रवात	5	1.0	9	8258	220000
16	सितम्बर एवं अक्तूबर 2009	अप्रत्याशित वर्षा के कारण बाढ़	13	20.72	90	259095	226092
17	मई 2010	लैला चक्रवात	14	17.80	22	14298	26685.83
18	जून से सितम्बर 2010	भारी वर्षा/बाढ़	22	8.95	65	11022	277000
19	अक्तूबर एवं नवम्बर 2010	भारी वर्षा/बाढ़/जल चक्रवात	13	16.98	63	20554	483000
20	दिसम्बर 2010	भारी वर्षा/बाढ़	15	8.16	21	3169	1208000
21	दिसम्बर 2011	ठाणे - चक्रवात	9	0	0	0	62883

(स्रोतः आपदा प्रबंधन आयुक्त द्वारा भेजे गए आंकड़े)

अनुबंध - 10.2

गुजरात में हाल की आपदाओं या आपातों के ब्यौरे

अवधि	आपदा	अभ्युक्तियाँ (मारे गए, प्रभावित व्यक्तियों, की सं. कृषि की हानि आदि)
1999-2000	सूखा	25 में से 17 जिलों के 155 तालुकों में 25 लाख की आबादी वाले 250 लाख गांव प्रभावित थे। चारे की फसल खेती की विफलता ने 71.33 लाख पशुधन को प्रभावित किया। बनसकंठा, जामनगर कच्छ तथा पाटन जिले गम्भीर रूप से प्रभावित थे। खाद्यान उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में 29.45 प्रतिशत तक कम था।
जनवरी 2001	भूकंप	कच्छ - 13000 से अधिक लोग मारे गए। कुल लगभग 1.3 मिलियन घर, जीवन रेखा अवसंचना परिवर्तनशील सीमा तक क्षतिग्रस्त हुई थीं।
2001-2002	सूखा	विलम्बित तथा अपर्याप्त वर्षा के कारण प्रथम वर्षा के पश्चात 40 प्रतिशत कृषि की हानि
जुलाई 2005	बाढ़	लगभग 125 लोग मारे गए
जुलाई-अगस्त 2006	बाढ़	सूरत शहर तथा दक्षिण एवं मध्य गुजरात-बाढ़ में 150 के करीब लोग मारे गए थे जबकि अन्य 100 से अधिक बाढ़ के आद आयी महामारी लेप्टोस्पाइरोसिस में मारे गये थे। प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष आर्थिक हानियों को ₹16000 करोड़ अनुमानित किया गया है।

(स्त्रोतः गुजरात राज्य की राज्य आपदा प्रबंधन योजना)

अनुबंध - 10.3

ओड़िशा में हाल की आपदाओं या आपातों के ब्यौरे

वर्ष	आपदा	प्रभावित जिले	प्रभावित आबादी (बाढ़ तथा भारी वर्षा)	प्रभावित गाँव (सूखा)
जुलाई 2007	बाढ़	12	13.32 लाख	-
अगस्त एवं सितम्बर 2007	बाढ़	15	22.47 लाख	-
जून एवं सितम्बर 2008	बाढ़	21	47.18 लाख	-
2009	बाढ़ एवं भारी वर्षा सूखा/कीट हमला	17 18	6.61 लाख	5294
2010	बाढ़ तथा भारी वर्षा, सूखा, बेमौसमी चक्रवाती वर्षा	06 17 24	0.89 लाख	10674 (12 लाख हेक्टेयर)
2011	बाढ़ तथा भारी वर्षा	21	35.68 लाख	

(स्त्रोतः विशेष राहत आयुक्त का प्राकृतिक आपदों पर वार्षिक प्रतिवेदन)

अनुबंध - 10.4

राजस्थान में हाल की आपदाओं या आपातों के ब्यौरे

अवधि	आपदा	अभ्युक्तियाँ (मारे गए प्रभावित व्यक्तियों की सं., कृषि की हानि आदि)
अगस्त 2006	बाढ़	भारी वर्षा के स्वरूप बाड़मेर जिले में बाढ़ आयी मालवा एवं कवास गाँव जलमग्न हो गए तथ 104 व्यक्ति मारे गए।
13 मई 2008	अनुक्रमिक बम विस्फोट	जयपुर में 63 व्यक्ति मारे गए, 78 व्यक्ति घायल हुए तथ 105 व्यक्तियों को मामूली चोट आयी।
30 सितम्बर 2008	जोधपुर में भगदड़	216 व्यक्ति मारे गए, 9 गम्भीर रूप से घायल हुए तथा 83 व्यक्तियों को मामूली चोट आयी।
अप्रैल 2009	भूकंप	इसने जैसेलमेर जिले तथा आस-पास के क्षेत्रों को प्रभावित किया, सात लोग घायल हुए 2 पशु मारे गए। इसने 93 पक्के घरों को पूर्ण रूप से, 2157 को गम्भीर रूप से, 276 को आंशिक रूप से तथा 3 कच्चे घरों को पूर्ण रूप से, 196 को गम्भीर रूप से, 51 को आंशिक रूप से क्षतिग्रत किया।
29 अक्तूबर 2009	**जयपुर में भा.ते.कं. डिपो में आग**	11 अधिकारी तथा श्रमिक मारे गए, 65 घायल हुए तथा राष्ट्रीय संपत्ति की अनुमानित हानि ₹ 650 करोड़ थी
दिसम्बर 2009	कोटा में चंबल पुल का टूटना	दुर्घटना में 48 श्रमिक मारे गए तथा 12 घायल हुए।

(स्रोतः 2006, 2008-09 की प्रशासन एवं प्रगति रिपोर्ट, जि.प्र.रा.वि. तथा कलक्टर द्वारा दी गई सूचना)

अनुबंध - 10.5

तमिलनाडु में हाल की आपदाओं या आपातों के ब्यौरे

अवधि	आपदा का प्रकार	अभ्युक्तियों (मारे गए, प्रभावित व्यक्तियों की सं. कृषि की हानि आदि)
26.09.2001	पुडुचेरी के तट से दूर रिक्टर पैमाने पर 5.5 मेग्निटयूड का भूकंप	पुडुचेरी तथा तटीय तमिलनाडु में 3 मृत्यु तथा सम्पत्ति को थोड़ी हानि
26.12.2004	सुमात्रा-अण्डमान भूकंप तथा सुनामी-उत्तरी भारतीय महासागर तथा बंगाल की खाड़ी में काफी बड़ा भूकंप	7996 लोग मारे गए तथा 1.50 लाख लोग बेघर हुए थे। मछली पकड़ने वालो तथा अन्यों की जीविका नष्ट हो गई थीं। 4.90 लाख लोग तमिलनाडु को छोड़ु गए थे।
अक्तूबर-नवम्बर 2005	अति सक्रिय उत्तर पूर्वी मानसून 2005, बंगाल की खाड़ी पर निम्न दबाव क्षेत्र तथा गहन दबाव के साथ मिलकर। तमिलनाडु के कई जिलों में तीव्र मूसलाधार बारिश।	497 लोग मारे गए, 1520 मवेशी मारे गये, 104843 झुग्गियाँ पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हुई तथा 206340 झुग्गियाँ आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुई।
17.12.2007 -21.12.2007	उत्तर-पूर्वी मानसून के दौरान भरी वर्षा	71 लोगों की जाने गयीं, 385 दुधारू जानवर खोए तथा 20216 झुग्गियाँ क्षतिग्रस्त हुई थी।
मार्च 2008	बेमौसमी भारी वर्षा	24 लोगों की जाने गयीं। 804 जानवर खोए। 5782 झुग्गियाँ क्षतिग्रस्त हुई थी।
26 नवम्बर 2008	निशा चक्रवात	245 लोगों की जाने गयीं, 6601 दुधारू जानवर खो गये। थे। 10.59 लाख झुग्गियाँ क्षतिग्रस्त हुई थी। 5.88 लाख हेक्टेयर की कृषि फसल की हानि हुई थी। 543 लोग भवन क्षतिग्रस्त हुए थे।
7.11.2009	नीलगिरी जिले में भू-स्खलन	44 लोग मरे। 3715 झुग्गियाँ क्षतिग्रस्त हुई थीं। राज्य राजमार्ग में 899 भू-स्खलन हुए।
अक्तूबर-दिसम्बर 2010	भारी उत्तर-पूर्वी मानसून वर्षा	203 लोगों की जाने गयीं। 6256 पशु खोए थे। 13975 झुग्गियाँ पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त थी तथा 52812 झुग्गियॉ आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त थी।
12.08.2011	तमिलनाडु में अरियालूर में 3.5 मेगिनट्यूड का भूकंप	कड्डालॉर, पैरामबलूर, त्रिचिरापल्ली तथा विल्लूपुरम के जिलों में एक मृत्यु तथा थोड़ी हानि।
30.12.2011	ठाणे चक्रवात-कुड्डालोर तथा विल्लुपुरम जिले गम्भीर रूप से प्रभावित थे	56 जानें गयीं, 401 मवेशी मरे, 577584 झुग्गियाँ क्षतिग्रस्त थीं तथा 2.34 लाख हेक्टेयर की खेती क्षतिग्रस्त हुई। 27 हाई टेंशन टावर, 45460 विद्युत खम्भे तथा 4700 ट्रांसफार्मर उखड़ गए थे।

(स्त्रोतः राजस्व प्रशासन आपदा प्रबंधन तथा शमन विभाग, चेन्नई की प्राकृतिक संकटों पर वार्षिक प्रतिवेदन)

अनुबंध - 10.6

उत्तराखण्ड में हाल की आपदाओं या आपातों के ब्यौरे

अवधि	2007-08 से 2011-12 के दौरान आपदा अथवा प्राकृतिक आपद	2007-08 से 2011-12 के दौरान प्राकृतिक आपद के कारण जीवन की हानि
2008	भू-स्खलन (9[1]), तूफान (1), बिजली (1), हिमानी घटना (2), भारी वर्षा (6) तथा अन्य[2]	*कुल मौतें: 653*
2009	भू-स्खलन (12), भारी वर्षा (8), हिमानी घटना (1), बिजली (1), बादल फटना (1) तथा अन्य	निम्न के कारण जीवन हानि भू स्खलन : 175 हिमस्खलन: 13 आग दुर्घटनाएँ: 26 भारी वर्षा: 186 बादल फटना/भूकंप: 118 अन्य[3]: 135
2010	भू-स्खलन (4),तूफान (3), भारी वर्षा (2), बिजली (1) तथा अन्य	
2011	भू-स्खलन (4), भारी वर्षा (2), बादल फटना (3), आकस्मिक बाढ़ (1) तथा अन्य	
2012 (मार्च तक)	भू-स्खलन (1) तथा अन्य	

(स्रोतः आपदा प्रबंधन विभाग, उत्तराखण्ड)

अनुबंध - 10.7

पश्चिम बंगाल में हाल की आपदाओं या आपातों के ब्यौरे

क्र.सं.	अवधि	आपदा/प्राकृतिक आपद	अभ्युक्तियाँ (मारे गए, प्रभावित व्यक्तियों की सं.कृषि की हानि आदि)
1	जून-सितम्बर 2010	गम्भीर सूखा	11 जिले प्रभावित हुए
2	अप्रैल 2010	टोर्नाडो	उत्तरी दीनाजपुर जिला प्रभावित था, 43 जानें गईं, बर्बाद फसल की अनुमानित कीमत ₹ 2395.35 लाख थी। घरों को हानि की अनुमानित कीमत ₹ 15089.58 लाख
3	मई 2009	'आईला' चक्रवात	11 जिले प्रभावित हुए 197 लोग मारे गए तथा लाखों लोग बेघर हुए। 4.47 लाख हेक्टेयर कृषि क्षेत्र प्रभावित हुआ तथा पशुधन की हानि 213665 पर अनुमानित की गई थी। पूर्ण रूप से तथा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त घरों की संख्या (कच्चे तथा पक्के दोनों) क्रमशः 403275 तथा 555458 थी।

[1] कोष्ठक में घटनाओं की सं. दी गई है।
[2] पेड़ गिरना, जलमग्न होना, दीवार टूटना, सिलेंडर फटना, मलबा गिरना, हाई टेशंन तार का गिरना, भगदड़ घटना आदि।
[3] अन्य आपद बाग, हिमघाव, सड़क दुर्घटना, ओला वृष्टि तथा महामारी आदि हैं।

4	जून-अगस्त 2007	भू-स्खलन	दार्जिलिंग जिला प्रभावित था 12 जाने गई, 1.32 लाख लोगों का जीवन प्रभावित हुआ।
5	जुलाई-अक्तूबर 2007	बाढ़	13 जिले प्रभावित हुए; 355 मानव जीवन खोए, 118.22 लाख लोगो का जीवन प्रभावित हुआ; 8.59 लाख हेक्टेयर कृषि क्षेत्र प्रभावित हुआ। घरों, फसलों तथा जन सम्पत्तियों की कुल अनुमानित हानिः ₹ 203.86 करोड़।
6	सितम्बर-अक्तूबर 2006	बाढ़/चक्रवात	मानसूनी वर्षा तथा तीव्र चक्रवात-बंगाल की खाड़ी में उत्पन्न तूफान ने भारत तथा बंग्लादेश को प्रभावित किया। पश्चिम बंगाल में 50 मौते हुई, बर्दवान 300 घायल थे तथा 30,000 मिट्टी से बने घर बर्बाद हुए। वर्षा ने कोलकाता शहर के अधिकांश भाग को जलमग्न कर दिया; बाद में 2000 लोगों ने शहर से पलायन किया।
7	जून-अगस्त 2006	बाढ़	बीरभूम, बर्दवान तथा मुर्शिदाबाद के क्षेत्र मुख्यतः निरंतर मानसूनी मूसलाधार वर्षा से प्रभावित थे।
8	अक्तूर 2005	बाढ़	भारी वर्षा के कारण कई क्षेत्रों में बाढ़ आई। लगभग 3000 तटीय गाँव जलमग्न थे।
9	जुलाई 2005	बाढ़ / भू-स्खलन	भारी मानसूनी वर्षा ने अचानक आई बाढ़ तथा भू-स्खलनों को उत्पन्न किया।
10	जून-अक्तूबर 2004	बाढ़	भारी मानसूनी वर्षा ने कई जिलों को प्रभावित किया।
11	जून-नवम्बर 2003	बाढ़	मानसूनी वर्षा के कारण बाढ़ आई जिसमें दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, मालदा तथा मुर्शिदाबाद के क्षेत्रों को प्रभावित किया।
12	नवम्बर 2002	चक्रवात	कृषीय फसल तथा सम्पत्ति के विनाश सहित 78 मौतों का कारण बना
13	जून-अगस्त 2002	बाढ़	मानसूनी वर्षा के कारण उत्तरी बंगाल में कूच बिहार तथा जलपाईगुड़ी में बाढ़। अचानक आयी बाढ़ ने दस गाँवों को जलमग्न किया जो चार मौतों तथा 11000 स्थानांतरण के मामलों का कारण बना।
14	जुलाई-सितम्बर 2001	बाढ़	कोलकाता प्रभावित हुआ था

(स्रोतः राज्य आपदा प्रबंधन विभाग तथा राज्य आपदा प्रबंधन योजना की 2007-08 से 2010-11 का वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन)